पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.09.2016 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

दानी महानुभाव से अपील

यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस. एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित

– डा. अनिल आर्य
मो. 09810117464

वर्ष-33 अंक-9 श्रावण-2073 दयानन्दाब्द 192 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2016 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.09.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ''राष्ट्रीय आर्य युवा महोत्सव'' नई दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न

महर्षि दयानन्द ने सबसे पहले रूढ़ियों व कुरीतियों पर प्रहार किया -सतीश उपाध्याय

रविवार, 4 सितम्बर 2016, आर्य समाज,राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली के सभागार में मंच पर बांये से–मित्रमहेश आर्य (अहमदाबाद), भानुप्रताप वेदालंकार (इन्दौर), आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, ठाकुर विक्रम सिंह, स्वामी आर्यवेश जी, डा. अनिल आर्य व यशपाल आर्य (पार्षद)। द्वितीय चित्र–दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश उपाध्याय का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश, ठाकुर विक्रम सिंह, यशपाल आर्य व ओम सपरा।

मुख्य अतिथि सतीश उपाध्याय ने कहा कि महर्षि दयानन्द महान क्रान्तिकारी थे, उन्होंने सबसे पहले समाज में व्यापत रूढ़ियों व कुरीतियों पर प्रहार किया जिसकी उस समय आवश्यकता थी। महिलाओं के उत्थान, नारी जाति को शिक्षा व वेद पढ़ने का अधिकार महर्षि दयानन्द ने ही प्रदान किया जिसके लिये उस काल में अत्यन्त साहस की आवश्यकता थी। आज केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नयी युवा पीढ़ी को आर्य समाज की विचारधारा से जोड़ने के लिये सराहनीय कार्य कर रही है उसके लिये डा. अनिल आर्य व उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है।

नशा खोरी समाज को खोखला कर रही है -स्वामी आर्यवेश

ठाकुर विक्रम सिंह का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, स्वामी सच्चिदानन्द जी (यमुना नगर, हरियाणा), श्यामलाल टम्टा (बागेश्वर,उत्तराखण्ड)। द्वितीय चित्र–सुभाष बब्बर (प्रान्तीय अध्यक्ष, जम्मू कश्मीर) का अभिनन्दन करते रामकुमार सिंह, महेन्द्र भाई व स्वामी आर्यवेश जी। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि आज नशा खोरी समाज के लिये अभिशाप बन चुकी है, युवा पीढ़ी इसमें डूबती जा रही है जो कि सभ्य समाज के लिये अत्यन्त घातक है, आर्य समाज को उसके विरूद्व जनजागरण अभियान चला कर समाज को सचेत करने की आवश्यकता है। ठाकुर विक्रम सिंह ने ओ३म् ध्वज फहराकर समारोह का उद्घाटन किया, उन्होंने हिन्दू समाज की ओर आने वाले खतरों के प्रति सचेत किया।

देशभक्त व संस्कारित युवा पीढ़ी का निर्माण जारी रहेगा -राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य

परिषद् के प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता को ''आर्य युवा रत्न'' से सम्मानित करते सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी,महामन्त्री महेन्द्र भाई व प्रान्तीय संचालक रामकुमार सिंह। द्वितीय चित्र–आर्य युवक ध्वजारोहण के लिये तैयार। समारोह का शुभारम्भ आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया, जिसमें सुरेन्द्र मानकटाला, सुरेश आर्य, एस.के.आहुजा आदि मुख्य यजमान बने। युवा गायक अंकित उपाध्याय के मधुर भजन हुए। परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि हम चरित्रवान, देश भक्त युवा पीढ़ी को तैयारी करने का कार्य तीव्र गति से जारी रखेंगे। आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, पार्षद राजेश भाटिया, हापुड़ से आनन्दप्रकाश आर्य, गाजियाबाद से प्रवीन आर्य, बागपत से संजीव ढाका, पलवल से स्वामी श्रद्वानन्द सरस्वती, अजय आर्य, हरेन्द्र चौधरी (करनाल), अश्वनी आर्य (नरवाना), श्रीकृष्ण दहिया, योगेन्द्र शास्त्री (जीन्द), बहरोड़ से रामकृष्ण शास्त्री,अलवर से विरजानन्द,रमाकान्त सारस्वत(आगरा),स्वामी विश्वानन्द जी (मथुरा), राजेश मेहन्दीरता, चतरसिंह नागर, सुरेन्द्र शास्त्री, महावीरसिंह आर्य, गोपाल जैन, अमरनाथ बत्रा, ओमप्रकाश अग्रवाल, रचना आहुजा, उर्मिला आर्या, अनिता कुमार, सुधीर घई आदि अनेकों प्रबुद्वआर्य जन पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। प्रान्तीय महामन्त्री अरूण आर्य, विमल आर्य, गौरव आर्य, राकेश आर्य, शिवम मिश्रा, वरूण आर्य, दीपक आर्य, रोहित आर्य, माधवसिंह, अनुज आर्य, यशपाल आर्य, काशीराम आर्य, राहुल कश्यप, गौरव गुप्ता आदि शिक्षक व्यवस्था सम्भाल रहे थे। प्रातः नाश्ता, दोपहर ऋषि लंगर व सायं चाय पकोड़े की परिषद् की ओर से सुन्दर व्यवस्था की गई थी।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हश्र

—अवधेश कुमार

हमारे माननीय सांसद एकजुट होकर प्रतिनिधिमंडल के रुप में जम्मू कश्मीर जाएं और वहां सभी पक्षों से बातचीत कर शांति स्थापना का रास्ता तलाशें इससे किसी को क्या आपत्ति हो सकती है। सामान्यतः ऐसे प्रयासों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। जबसे कश्मीर में हिंसा एवं उपद्रव आरंभ हुआ, अलग–अलग पार्टियों की मांग थी कि एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वहां जाना चाहिए। किंतु गृहमंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने अपने दो दिवसीय दौरे में ऐसी क्या नई जानकारी हासिल की जो उन्हें या देश को पहले से पता नहीं था? आतंकवादियों के मारे जाने पर जो लोग हिंसा एवं उपद्रव कर रहे हैं उनके साथ यह वायदा तो नहीं किया जा सकता था कि आगे से कोई आतंकवादी नहीं मारा जाएगा। न ही यह कहा जा सकता था कि आतंकवादी का मारा जाना गलत था और हम इसके लिए क्षमा प्रार्थी हैं। जिन लोगों ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की वो तो प्रत्यक्ष तौर पर हिंसा में शामिल हैं नहीं। न उन सबकी यह क्षमता है कि वो वचन देकर पत्थरबाजों को शांत हो जाने को तैयार कर सकें। तो फिर सर्वदलीय सम्मेलन ने वहां हासिल क्या किया?

जम्मू कश्मीर पर नजर रखने वालों को इसका अहसास था कि इस कवायद से कुछ हासिल होने की संभावना नहीं थी। आखिर इसके पहले कश्मीर के इतिहास में तीन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वहां जा चुका है और सबका हस्र विफलता में हुआ। 1990 में उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गया था जिसमें राजीव गांधी भी शामिल थे। क्या हुआ उससे? जार्ज फर्नांडिस को कश्मीर मामले का मंत्री बनाया गया। किंतु उसके बाद आतंकवाद तेजी से बढ़ा और हालात खराब हुए। 2008 में केन्द्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमडल गया। तब श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड को अस्थायी उपयोग के लिए वीरान पड़ी जमीन देने का विरोध उग्र हिंसक हो गया था। तीसरा प्रतिनिधमंडल सितंबर 2010 में गया था जब इसी तरह कश्मीर घाटी में पत्थबाजी हो रही थी। यह चौथा प्रतिनिधिमंडल था। ध्यान रखिए जिस तरह हुर्रियत ने इस प्रतिनिधिमंडल के बहिष्कार का फैसला किया। उसी तरह उसने 2010 और 2008 का भी बहिष्कार किया था। जिस तरह इस बार छह सांसद सीताराम येचुरी, डी. राजा, शरद यादव, असदुद्दीन ओवैसी, जयप्रकाश नारायण और फैयाज अहमद मीर प्रतिनिधिमंडल से निकलकर अलग से हुर्रियत नेताओं से मिलने चले गए थे उसी तरह 2010 में भी हुआ था। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य स्वयं उनसे मिलने गए थे और हुर्रियत नेताओं ने मीडिया को साथ देखकर अपनी अलगाववादी आग को पूरी तरह प्रज्वलित किया और मिलने गए नेता खाली हाथ लौट आए।

यह कहने में कोई समस्या नहीं है कि हमारे देश के कुछ नेतागण पिछले अनुभव से सबक सीखने को तैयार नहीं है। आप देखिए, हुर्रियत नेताओं ने इनसे बातचीत करने से ही इन्कार कर दिया। सैयद अली शाह गिलानी के घर का दरवाजा भी पूरी तरह नहीं खुला। शब्बीर शाह पहले बातचीत को तैयार थे, लेकिन अंत में मुकर गए। मीरवायज ने बैरंग लौटा दिया तो यासिन मलिक ने कहा कि दिल्ली आएंगे तो मुलाकात करेंगे। मान लीजिए ये मिल भी लेते तो क्या निकलता? जो लोग अपने को भारतीय नहीं कहते, कुछ स्वयं को पाकिस्तानी मानते हैं तो कुछ विवादित इलाके का नागरिक, जो भारत का झंडा जलाते हैं, भारत मुर्दाबाद के नारे लगवाते हैं, उनसे आप बातचीत करके क्या हासिल कर लेंगे? 8 जुलाई को बुरहान वानी के मारे जाने के बाद इनने ही लोगों को भड़काया। यह बात अलग है कि अब इस हिंसा का नेतृत्व इनके हाथों नहीं है। इनको रोक देना भी इनके वश का नहीं है। जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री मेहबूबा मुफ्ती ने ठीक ही कहा था कि बहुमत जनता शांति से रहना चाहती है, ये कुछ लोग हैं जो बच्चों को भड़काकर आग लगवा रहे हैं। उन्होंने इनकी कुल संख्या पांच प्रतिशत बताई। हम प्रतिशत में नहीं जाएंगे लेकिन मेहबूबा ने खीझ में ही सही हिंसा के लिए इनको जिम्मेवार तो ठहराया। यह बात अलग है कि कुछ दिनों में उनका विचार भी बदला और उन्होंने बतौर पीडीपी अध्यक्ष उनको सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से बात करने का निमंत्रण दे दिया।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान के इशारे पर खेलने वाले जिन हुर्रियत नेताओं का बहिष्कार कर कश्मीर में शांति स्थापना की कोशिश होनी चाहिए, जिनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए उनको इस तरीके से हमारे माननीय सांसद महत्व दे देते हैं। उनको अगर महत्व नहीं दिया जाए तो उनके साथ आने वाली जनता की संख्या भी घटती जाएगी। ध्यान रखिए प्रतिनिधिमंडल में हुर्रियत नेताओं से मिलने जाने वालों में भाजपा के साथ कांग्रेस के नेता भी नहीं थे। कांग्रेस को भी उनका अनुभव तो है ही। दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के बाद गृह मंत्री ने कहा था कि संविधान के दायरे में जो भी वार्ता के लिए आएगा हम उससे मिलने को तैयार हैं। हुर्रियत पहले ही इस दल से नहीं मिलने की घोषणा कर चुका है। इसलिए किसी को वार्ता का विशेष न्यौता नहीं दिया जाएगा और जो भी बातचीत को आएगा उसका स्वागत होगा। तो सरकार की नीति कश्मीर जाने के पूर्व से ही स्पष्ट थी। संविधान के दायरे में हुर्रियत के नेता आ नहीं सकते थे।

कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि पूरा देश कश्मीर से मोहब्बत करता है। हम यहां बड़ी उम्मीदों के साथ आए हैं। कश्मीर समस्या के समाधान और कश्मीर में अमन बहाली के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से मुलाकात की। महबूबा ने वार्ता में सभी पक्षों को शामिल करने और बिना शर्त बात किए जाने का मशविरा दिया। नेशनल कांफ्रेंस के कार्यवाहक प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने समस्या के राजनीतिक समाधान पर जोर दिया। लेकिन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पर उनकी राय देखिए। प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद उमर ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का आगमन अच्छी बात है लेकिन कश्मीर में इस तरह के प्रयास अपनी विश्वसनीयता व प्रासंगिकता गंवा चुके हैं। मैं इस दौरे को लेकर बहुत आशान्वित नहीं हूं। उमर ने कहा कि आज मेरी ही पार्टी के कई नेता इस मुलाकात के लिए राजी नहीं थे। वर्ष 2008 व 2010 में जब केंद्रीय दल यहां आए तो उससे मिलने के लिए बहुत से संगठन आए। लेकिन आज मुख्यधारा के चंद सियासी दलों के अलावा सिविल सोसाइटी का कोई बड़ा संगठन मिलने को तैयार नहीं है। तो मुख्यधारा की एक मुख्य पार्टी का यह विचार है प्रतिनिधिमंडल को लेकर। जो मेहबूबा ने कहा उसमें भी नया कुछ नहीं है। दूसरे संगठनों ने भी जो कुछ कहा वह सब पहले से जानी हुई बात है।

घाटी के नुटनुसा में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के क्वार्टरों में हुई लूटपाट और हमले की घटना के विरोध में ऑल पार्टीज माइग्रेंट कोआर्डीनेशन कमेटी के बैनर तले कश्मीरी पंडितों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे पंडितों का कहना था कि वादी में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के लिए काम करने लायक माहौल नहीं है। 1990 जैसे हालात बने हुए हैं। लिहाजा कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को जम्मू शिफ्ट किया जाए। जाहिर है, प्रतिनिधिमंडल के कानों तक इनकी आवाज अवश्य पहुंची होगी। एक ओर प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए बैठा था और दूसरी ओर शोपियां में उपद्रवियों ने निर्माणाधीन मिनी सचिवालय में आग लगा दिया। हालांकि जितना समय घाटी में दिया गया उससे काफी कम जम्मू में दिया गया और इसका असंतोष भी वहां दिखा। पंडितों के सिर्फ 8 मिनट का समय मिला, इसलिए उनने बहिष्कार कर दिया। गृहमंत्री ने इसके बाद लेह जाने की भी घोषणा की है। तीनों क्षेत्रों के लोगों से बातचीत का व्यवहार सही नीति है, पर घाटी की तरह अन्य दोनों को भी पर्याप्त समय मिलना चाहिए। हुर्रियत के व्यवहार पर गृहमंत्री की तीखी प्रतिक्रिया को समझना होगा। उन्होंने कहा कि हुर्रियत नेताओं से प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य बातचीत करने गए थे, लेकिन उन्होंने बातचीत नहीं की। इसका मतलब साफ है कि उनका इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत में यकीन नहीं है। जो शांति चाहते हैं, हम उन सभी से बात करने को तैयार हैं। बातचीत के लिए हमारा दरवाजा ही नहीं खुला, हमारे रोशनदान भी खुले हैं। राज्य की मुख्यमंत्री ने बातचीत में शामिल होने के लिए पत्र भी लिखा था। सरकार की नीति के अनुसार तो गृहमंत्री महबूबा मुफ्ती की पहल का समर्थन गृहमंत्री को नहीं करना चाहिए। तो फिर उन्होंने इसका जिक्र क्यों किया? ऐसा लगता है वो हुर्रियत को कठघरे में खड़ा करना चाहते थे। इसलिए दोनों बातों का जिक्र करते हुए उनकी आलोचना की। इसके बाद यह माना जा सकता है कि सरकार का रुख हुर्रियत के प्रति और कड़ा होगा। लेकिन कुल मिलाकर अगर हम यह प्रश्न करें कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमडल से मिला क्या तो उत्तर में अभी शून्य दिखाई देगा।

ई.: 30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्पलेक्स, दिल्ली:110092,
दूर.:01122483408, 09811027208

आर्य समाज,सैक्टर–22, चण्डीगढ़ में योग शिविर सम्पन्न

आर्य समाज,सैक्टर–22–ए,चण्डीगढ़ में 4 जुलाई से 10 जुलाई 2016 तक ध्यान–योग शिविर स्वामी केवलानन्द जी सरस्वती के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। समापन पर डा.शिवकुमार शास्त्री(हरिद्वार).पं.जगदीशचन्द्र वसु के प्रवचन हुए। प्रधान श्री सोमदत शास्त्री ने कुशल संचालन किया व मन्त्री प्रेमचन्द गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय अधिवेशन में श्री यशपाल आर्य व स्वामी विश्वानन्द जी (मथुरा) का अभिनन्दन

पार्षद श्री यशपाल आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी श्रद्धानन्द सररवती (पलवल), डा. अनिल आर्य, महेन्द्र भाई व रामकुमार सिंह। द्वितीय चित्र–स्वामी विश्वानन्द जी का अभिनन्दन करते महेन्द्र भाई, स्वामी आर्यवेश व ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्ट्रेट)।

श्री विश्वनाथ आर्य Life time Achievement Award से व श्री विरजानन्द सम्मानित

परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विश्वनाथ आर्य को परिषद् के साथ जुड़े 35 वर्ष होने पर **Life time Achievement Award** से सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश जी,ओम सपरा,महेन्द्र भाई,रामकुमारसिंह,भानुप्रताप वेदालंकार। द्वितीय चित्र–श्री विरजानन्द (महामन्त्री, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्) को सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश जी,रामकृष्ण शास्त्री(बहरोड़) व महेन्द्र भाई।

दिल्ली के रामकुमार सिंह-अरूण आर्य व लुधियाना के सुमित टण्डन सम्मानित

परिषद् के दिल्ली प्रदेश के महामन्त्री अरूण आर्य व प्रान्तीय संचालक रामकुमार सिंह का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,ओम सपरा,महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–लुधियाना (पंजाब) के कर्मठ आर्य युवा श्री सुमित टण्डन को ''आर्य युवा रत्न'' से सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश जी,रमाकांत सारस्वत(आगरा),महेन्द्र भाई व रामकुमार सिंह।

आर्य नेत्री उर्मिला आर्या-अश्वनी आर्य (नरवाना) व देवेन्द्र भगत का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश की अध्यक्षा उर्मिला आर्या का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व प्रवीन आर्या । द्वितीय चित्र–जिला जीन्द के अध्यक्ष अश्वनी आर्य व तृतीय चित्र–परिषद् के प्रेस सचिव देवेन्द्र भगत का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व महेन्द्र भाई।

इन्दौर के भानुप्रताप वेदालंकार व अहमदाबाद के मित्रमहेश आर्य का अभिनन्दन

मध्य प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य भानुप्रताप वेदांलकार व द्वितीय चित्र–गुजरात के प्रान्तीय अध्यक्ष मित्रमहेश आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व महेन्द्र भाई,साथ में विजय राठौड़(भोपाल)।

गुरूकुल खेड़ाखुर्द दिल्ली में श्रावणी पर्व सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 11 सितम्बर 2016, गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली के समारोह में स्वामी विश्वानन्द जी, मन्त्री मनोज मान, प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, डा.अनिल आर्य व योगेन्द्र शास्त्री। द्वितीय चित्र–दानवीर माता शान्तिदेवी,संगीता चौधरी,आशीष चौधरी,डा.अनिल आर्य व मनोज मान।

करनाल के अजय आर्य–ब्र.दीक्षेन्द्र व योगेन्द्र शास्त्री का अभिनन्दन

करनाल जिला अध्यक्ष अजय आर्य व सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रान्तीय अध्यक्ष ब्र. दीक्षेन्द्र का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,महेन्द्र भाई,गोपाल जैन आदि। तृतीय चित्र–प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री का अभिनन्दन करते सौरभ गुप्ता,यश आर्य, दीपक आर्य।

रमाकांत सारस्वत, आनन्दप्रकाश आर्य, प्रवीन आर्य व रामकृष्ण शास्त्री का अभिनन्दन

आगरा के कर्मठ आर्य नेता श्री रमाकांत सारस्वत,अरविन्द मेहता,डा.विद्यासागर का, द्वितीय चित्र–उ.प्र.प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्दप्रकाश आर्य(हापुड़) व प्रान्तीय महामन्त्री प्रवीन आर्य (गाजियाबाद),तृतीय चित्र–राजस्थान प्रान्तीय अध्यक्ष रामकृष्ण शास्त्री का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,महेन्द्र भाई आदि।

स्वामी सच्चिदानन्द अमृत महोत्सव

तपोनिष्ठ आर्य संन्यासी स्वामी सच्चिदानन्द जी के 75वें जन्मोत्सव पर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से **''अमृत महोत्सव'' रविवार, 13 नवम्बर 2016 को प्रातः 11 से 2.00 बजे** तक **वैदिक ज्ञान आश्रम, रेलवे वर्कशाप रोड़, यमुना नगर, हरियाणा** में राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य की अध्यक्षता में मनाया जायेगा। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, चौ. लाजपतराय आर्य, सत्येन्द्र मोहन कुमार, मनोहरलाल चावला, अशोक छाबड़ा आदि अनेकों महानुभाव पधार कर अपनी शुभकामनायें प्रदान करेंगे। समारोह के पश्चात प्रीतिभोज का प्रबन्ध रहेगा। सभी आर्य जन भारी संख्या में पंहुचे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है
महर्षि दयानन्द सरस्वती के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में

भव्य संगीत संध्या ''एक शाम दयानन्द के नाम''

रविवार, 6 नवम्बर 2016, सायं 4 बजे से रात्री 8.00 बजे तक
स्थानः दिल्ली हाट, पीतम पुरा, दिल्ली–110034
(निकट–मैट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस)
समारोह अध्यक्षः श्री प्रदीप तायल
(अध्यक्ष, भारत विकास परिषद् पीतमपुरा शाखा)
आप सभी आर्य जन ऋषिवर को श्रद्धाजंलि देने सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं
दर्शनाभिलाषीः–

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष

वेद प्रचार के लिये प्रचार वाहन की आवश्यकता

गुरूकुल वैदिक आश्रम,पोस्ट–वेदव्यास,राउरकेला,पिन–769004,उड़िसा युवा निर्माण के लिये आदि वासी क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रहा है। हमें एक प्रचार वाहन की आवश्यकता है। कृपया दानी जन सहयोग करें –पं.धनेश्वर बेहरा,आचार्य–09438441227

आर्य समाज,खलासी लाईन,सहारनपुर

आर्य समाज,सरदार पटेल मार्ग,खलासी लाईन,सहारनपुर का 63 वां वेद प्रचार सप्ताह सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य आनन्द पुरूषार्थी के ओजस्वी प्रवचन हुए।

–रविकांत राणा

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती तारा चौधरी (धर्मपत्नि चौ. लाजपतराय आर्य, करनाल) का निधन।
2. श्री कायम सिंह (पिता श्री सन्तोष शास्त्री, दिल्ली) का निधन।
3. श्रीमती बसन्तीदेवी गोयल (माता श्री विजय गोयल, केन्द्रीय मन्त्री) का निधन।
4. श्री भगवान सिंह यादव (आर्य समाज, शादीपुर, दिल्ली) का निधन।
5. श्री पूरणचन्द कोहली (भ्राता श्री सुरेन्द्र कोहली, दिल्ली) का निधन।
6. श्री गिरिराज याज्ञिक (पलवल) का निधन।
7. श्री चरनजीत बब्बर (भ्राता श्री सुभाष बब्बर, जम्मू) का निधन।
8. ठाकुर वीरेन्द्र सिंह (आर्य समाज, यमुना विहार) का निधन।
9. कवि-श्री सत्यप्रकाश शास्त्री 'स्वतन्त्र' (पलवल) का निधन ।
10. श्री के.बी. गुप्ता (पूर्व प्रधान आर्य समाज अशोक विहार) का निधन।
11. श्री सुभाष लखोटिया (टेक्स गुरु दिल्ली) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970